

10 $\frac{8}{3}$

पत्तनवी पेशदुकी जाकी कि उनके ककी बनी मंड
से कही भी उपास्नीर नष्टे न्याय इसा खिपे जाकी
पुर्जात एक रूप हजारी क रूप म देवी
मे खारिक बिना जात की पुत्रपती फंसल
गुमार होकर नम्बर से का ही बाद रही मूल
का मे साय शलेगरी

सहायक कलक्टर
बानसुर (भबवर)